नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 173
दि. 22.10.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

सीएम योगी का तंज: 'गद्दी विरासत में मिल सकती है, बुद्धि नहीं; उन्हें श्रीराम, देवी-देवताओं से नफरत'

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे पूर्वजों ने बिट्रिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के दीपोत्सव को लेकर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर एक बार फिर शाब्दिक प्रहार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दीपावली पर दीये जलाने के विरुद्ध बयान देकर अखिलेश यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि उन्हें अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर, देवी देवताओं, सनातन धर्मऔर दीपावली जैसे इसके पर्व-त्योहारों से भी नफरत है। उनका बयान प्रजापति समाज (कुम्हारों) का अपमान करने वाला है। उन्होंने अखिलेश पर यह भी तंज कसा कि गद्दी तो विरासत में मिल सकती है, बुद्धि नहीं। बिना विवेक वाले लोग ही दीपावली का विरोध करते हैं।

सीएम योगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष पर गोरखपुर विभाग द्वारा आयोजित विचार-परिवार कुटुंब स्नेह मिलन एवं 'दीपोत्सव से राष्ट्रोत्सव' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बने मंदिर के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संघ की सौ वर्ष की यात्रा के कालखंड में असंभव को भी संभव होते देखा गया है। राम मंदिर को लेकर सपा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग प्रश्न करते थे संघ के स्वयंसेवक दृढ़ संकल्प से कहते थे कि मंदिर जरूर बनेगा। संघ ने बंदिशें झेलीं, स्वयंसेवकों ने लाठी गोली खाई। परिणाम भव्य श्रीराम मंदिर के रूप में सबके सामने है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अयोध्या साढ़े आठ वर्ष पूर्व वीरान थी, अब वहां का भव्य दीपोत्सव नई पहचान बन गया है। इस बार 26 लाख 17 हजार दीये जलाने का नया विश्व रिकॉर्ड बना है। उन्होंने कहा कि सपा को दीया जलाने पर भी परेशानी है। सपा प्रमुख कहते हैं कि दीया जलाने की आवश्यकता क्या है, मोमबत्ती जला लेते। उनका यह बयान तिलहन की पैदावार कर दीयों को तेल देने वाले अन्नदाता किसानों और मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का अपमान

करोड़ लोग मिट्टी के दीयों से लेकर बर्तन के कारोबार से जुड़े हुए है। मिट्टी के उत्पाद आर्थिक निर्भरता और स्वावलंबन का प्रतीक हैं। सीएम ने कहा कि अखिलेश को सनातन धर्म के त्योहारों, देवी-देवताओं से नफरत है। अखिलेश, दुर्योधन की मूर्ति लगाने की बात करते हैं, हमनें कहा कि कंस की भी मूर्ति लगवा लो। सपा को रामद्रोही, कृष्णद्रोही और सनातन पर्व द्रोही बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अयोध्या, मथुरा, वृंदावन की आभा चमकाती रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा। कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी। कांग्रेस ने अदालत में एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं। सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है। पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया। प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरूआत से ही खोट निकाल रहे थे।

राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे पूर्वजों ने बिट्रिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था। वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप के नाम इसमें उल्लेखनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज भी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के रूप में राजनीतिक इस्लाम को बढ़ाने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि हलाल सर्टिफिकेशन उत्पाद के प्रदेश में बिक्री पर रोक लगाई गई है। हलाल उत्पाद खरीद से मिलने वाले रुपये से ही धर्मांतरण, लव जिहाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने पर जोर दिया।

पंच परिवर्तन विकसित भारत की आधारशिला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तय किए गए पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी से आत्मनिर्भरता और नागरिक कर्तव्यों का उल्लेख किया और कहा कि पंच परिवर्तन विकसित भारत की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि विकसित समाज और विकसित राष्ट्र के लिए समाज को आगे और सरकार को समाज के पीछे चलना होगा।

विरोधों के सागर में चट्टान है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : रमेश जी

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश जी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि सनातन, भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में कोई फर्क नहीं है। तीनों एक ही हैं।

पुलिस स्मृति दिवस: रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

राष्ट्र की सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस और अर्धसैनिक बलों के वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 21 अक्टूबर, 2025 को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। वर्ष 1959 में आज ही के दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 10 वीर पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में शहीद नायकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनके अदम्य साहस व सेवा के लिए पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सशस्त्र

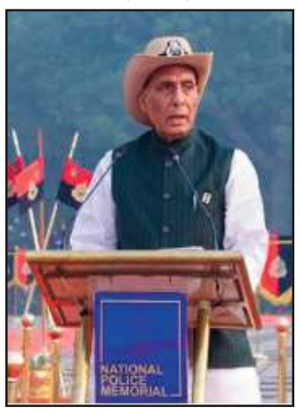

बल और पुलिस बल दोनों ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मजबूत स्तंभ हैं, जहां सशस्त्र बल देश की सीमाओं तथा भौगोलिक अखंडता की रक्षा करते हैं, वहीं पुलिस बल समाज एवं सामाजिक अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सेना और पुलिस भले ही अलग-अलग मंचों पर कार्यरत हों, लेकिन उनका मिशन एक ही है — राष्ट्र की रक्षा करना। श्री सिंह ने कहा, 'जब हम 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हैं, तब राष्ट्र की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना पहले से कहीं अधिक आवश्यक है।

श्री राजनाथ सिंह ने वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां एक ओर सीमाओं पर अस्थिरता बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ समाज के भीतर अपराध, आतंकवाद एवं वैचारिक युद्ध के नए स्वरूप उभर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमारे पुलिस कर्मियों के अनुकरणीय साहस और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा और जनता की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी नागरिकों के लिए अत्यंत सम्मान की बात है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संकट और मानवीय जरूरत के समय सेवा के प्रति दृढ़ समर्पण और तत्परता दिखाते हुए पुलिस कर्मी बहादुरी, करुणा और कर्तव्य के प्रति अदम्य भावना का उदाहरण पेश करते हैं।

एनडीए की अगर फिर सरकार बनी तो 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी, नीतीश कुमार ने किया बड़ा वादा

बिहार विधानसभा चुनावों के नजदीक आते ही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महत्वपूर्ण चुनाव-पूर्व घोषणा की है। उन्होंने वादा किया है कि अगर उनकी सरकार फिर से चुनी जाती है, तो अगले पाँच वर्षों में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियाँ प्रदान की जाएँगी। मंगलवार को एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए, कुमार ने अपनी सरकार के रोजगार रिकॉर्ड और दो दशक के कार्यकाल में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला।

नीतीश कुमार ने जोरदार तालियों के बीच कहा, "कुल 50 लाख युवाओं को पहले ही सरकारी नौकरियाँ दी जा चुकी हैं, और अब हमने तय किया है कि अगले पाँच वर्षों में एक करोड़ और लोगों को रोजगार मिलेगा।" उन्होंने अपने शासनकाल की तुलना राज्य के अतीत से की, जिसे उन्होंने अपनी सरकार के सत्ता में आने से पहले "अंधेरे दिन" कहा, जहाँ

कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढाँचा बेहद खराब था।

बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर, 2025 को दो चरणों में होंगे, जबकि मतों की गिनती 14 नवंबर को होनी है। इन चुनावों में बेरोजगारी, बुनियादी ढाँचा और सुशासन प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं। ऐसे में, यह अभियान नीतीश कुमार के विकास रिकॉर्ड और उनके नए रोजगार वादे के इर्द-गिर्द घूमने की उम्मीद है।

2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। NDA में भारतीय जनता पार्टी (BJP), जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।

दूसरी ओर, महागठबंधन का नेतृत्व राष्ट्रीय जनता दल (RJD) कर रहा है, जिसमें कांग्रेस, दीपांकर भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (CPI-ML), CPI, CPI (मार्क्सवादी) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (श्क्ढ) शामिल हैं।

इस चुनाव में राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज ने भी एक नया आयाम जोड़ा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामहिम श्री रोड्रिगो पाज परेरा को बोलीविया का राष्ट्रपति चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महामहिम श्री रोड्रिगो पाज परेरा को बोलीविया का राष्ट्रपति चुने जाने पर आज हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा:

"श्री रोड्रिगो पाज परेरा, बोलीविया के राष्ट्रपति चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई। भारत और बोलीविया के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय से हमारे आपसी रूप से लाभकारी सहयोग का आधार रहे हैं। मैं आने वाले वर्षों में साझा प्रगति और समृद्धि के लिए हमारी साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की आशा करता हूँ।

पीएम मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई, रणनीतिक साझेदारी पर कही ये बात

(एजेंसी)।

नई दिल्ली। जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। 64 वर्षीय ताकाइची ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की ओर से चुनाव जीतते हुए संसद के निचले सदन में 237 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी योशिहिको नोडा को 149 वोट मिले। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साने ताकाइची को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जापान की प्रधानमंत्री बनने पर आपको हार्दिक बधाई। भारत-जापान के विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत

करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। हमारे मजबूत रिश्ते इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं।

यूएई के राष्ट्रपति ने ताकाइची को दिया संदेश

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद अल नहयान ने भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे जापान के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

क्या कहा ताकाइची ने?

प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने पहले भाषण में ताकाइची ने कहा कि हम सिर्फ तभी जापान को फिर से खड़ा कर सकते हैं जब सभी पीढ़ियां मिलकर काम करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैं खुद 'वर्क-लाइफ बैलेंस' का ख्याल नहीं रखूंगी। मैं सिर्फ काम, काम और काम करूंगी। उन्होंने सभी से मेहनत करने की अपील करते हुए कहा कि यह समय देश को दोबारा खड़ा करने का है।

स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2025

(एजेंसी)।

शहरी क्षेत्रों के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक गांधी जयंती पर समाप्त हुआ। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 17 सितंबर 2025 को स्वच्छता शपथ के साथ इस अभियान की शुरूआत की। इससे कार्यालयों और समुदायों में स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

इस वर्ष के अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों को आदर्श स्वच्छ क्षेत्रों में बदलना और अधिक लोगों की आवाजाही वाले सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखना था। निरोधक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। व्यक्तिगत स्वच्छता और सतत स्वच्छता प्रथाओं को रेखांकित करने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और उसके कार्यालयों में जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

अभियान के दौरान 52 स्वच्छता

लक्ष्य इकाइयों का कायाकल्प किया गया और 104 सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। इससे स्वच्छता मानकों में सुधार देखा गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में सफाई मित्रों के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इसका एक प्रमुख आकर्षण 25 सितंबर 2025 को आयोजित राष्ट्रव्यापी श्रमदान था। इसमें 2,500 से अधिक अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान, वृक्षारोपण और जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छ भारत के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

इन प्रयासों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा 2025 अभियान ने सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और निरोधक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत किया। इससे एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए राष्ट्रीय आंदोलन को बढ़ावा मिला।

अवकाश की सूचना

हमारा कार्यालय नववर्षाभिनंदन, भाई दूज और तीज त्योहार के उपलक्ष्य में 22, 23 और 24 अक्टूबर को बंद रहेगा। इसलिए, समाचार पत्र 23, 24 और 25 अक्टूबर को उपलब्ध नहीं होगा। अगला अंक 26 अक्टूबर, 2025, रविवार से यथावत प्रकाशित होगा।

- सम्पादक

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती और मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा छठ पूजा त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-मुजफ्फरपुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इस स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 09483/09484 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (8 फेरे)

ट्रेन संख्या 09483 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित स्पेशल 22 अक्टूबर 2025 से 25 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन साबरमती से 23.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 07.30 बजे मुजफ्फरपुर पहुचेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09484 मुजफ्फरपुर-साबरमती अनारक्षित स्पेशल 24 अक्टूबर 2025 से 27 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन मुजफ्फरपुर से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 22.00 बजे साबरमती पहुचेंगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़ जं., अजमेर, जयपुर, ईदगाह, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में सभी अनारक्षित श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए जमीनी स्तर पर व्यवस्था का आकलन किया

(एजेंसी)।

12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री सुरक्षित और समय पर घर पहुंचें: अश्विनी वैष्णव

पिछले 20 दिनों में, 4211 विशेष ट्रेनों ने 1 करोड़ से अधिक यात्रियों की सेवा की, त्यौहारों की भीड़ को कम करने के लिए 7800 और ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा

औसतन प्रतिदिन 4.25 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की जा रही है

रेल भवन और सभी जोन और डिवीजनों में समर्पित वॉर रूम सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए तत्क्षण यात्री यात्रा की निगरानी कर रहे हैं

भारतीय रेल त्यौहारों की भीड़ के दौरान लोगों की सेवा में मानवीय स्पर्श, समर्पित होल्डिंग क्षेत्रों के अलावा, एम-यूटीएस सहित अतिरिक्त टिकट काउंटर, यात्रियों को पीने योग्य पानी की सुविधा और स्वच्छ वॉशरूम प्रदान किए गए

यात्रियों ने भारतीय रेल की बेहतर उत्सव व्यवस्था की प्रशंसा की, अनारक्षित डिब्बों में भी आरामदायक यात्रा की सूचना

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और इस त्योहारी सीजन के दौरान रेलवे द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन किया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए, उन्होंने बताया कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 12 लाख रेलवे कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन विशेष ट्रेनों से अब तक 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा दी जा चुकी है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि औसतन लगभग 4.25 लाख यात्री प्रतिदिन दिल्ली क्षेत्र से यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूरत, मुंबई, कोयंबटूर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और यहां तक कि चलती ट्रेनों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल और जोन का अपना वॉर रूम है, जो सभी रेल कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करता है।

केंद्रीय मंत्री ने प्लेटफार्म संख्या 1 से होते हुए आरपीएफ नियंत्रण कक्ष का दौरा किया, जो पूरे स्टेशन पर नजर रखता है। उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने प्राथमिक चिकित्सा कक्ष का भी दौरा किया और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों से बातचीत की।

श्री वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 16 पर पटना जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के यात्रियों से भी बातचीत की। यात्रियों ने भारतीय रेलवे द्वारा उनके लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया (यात्री सुविधा केंद्र) का भी दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा करने से पहले रेल भवन वॉर रूम से विशेष ट्रेनों की जानकारी की भी समीक्षा की। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

भारतीय रेल त्योहारी सीजन के दौरान 12,011 विशेष ट्रेनें चला रहा है, ताकि यात्रा मांग में तेज वृद्धि को पूरा किया जा सके, जो 2024 में 7,724 ट्रेनों से उल्लेखनीय वृद्धि है।

नियमित रेल सेवाओं के अलावा, भारतीय रेल ने 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 4,211 विशेष रेलगाड़ियों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिनसे 1 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को सुविधा मिली है। दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए, भारतीय रेल आने वाले दिनों में लगभग 7800 और विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है।

1 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच, इन विशेष ट्रेनों द्वारा 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान की जा चुकी है। नई दिल्ली क्षेत्र में, 16 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच 21.04 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 19.71 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की गई थी, इस प्रकार 1.33 लाख यात्रियों की वृद्धि हुई।

देश भर में यात्री सुविधाओं को मजबूती

भारतीय रेल यात्रियों की सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास कर रहा है। सभी स्टेशनों पर यात्री प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया गया है, जिसमें सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए समर्पित होल्डिंग क्षेत्र, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल ने त्योहारों के मौसम में आने वाले यात्रियों की भारी भीड़ की निगरानी और प्रबंधन के लिए रेल भवन में एक समर्पित "वॉर रूम" स्थापित किया है। यह कमांड सेंटर तत्क्षण निगरानी रखने में सक्षम है और अधिकारियों को भीड़भाड़, यात्रियों की शिकायतों और संभावित घटनाओं का त्वरित समाधान करने में सक्षम बनाता है। यह पहल केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उनके मार्गदर्शन में स्थापित की गई थी, जिसका उद्देश्य पूरे रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करना है।

श्री वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतीश कुमार, यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा करने और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने के लिए समय-समय पर रेल भवन वॉर रूम का दौरा करते हैं। आज, यह वॉर रूम पूरे भारतीय रेल नेटवर्क की निगरानी करने वाली एक प्रभावी प्रणाली के रूप में विकसित हो चुका है, जिसके रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय और मंडल स्तर पर 80 से अधिक वॉर रूम सक्रिय हैं।

इसी प्रकार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री व्यवस्थाओं पर बारीकी से निगरानी रखने, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने और यात्रियों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक छोटा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

जयपुर स्टेशन पर यात्रियों को विशेष मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली (एम-यूटीएस) के माध्यम से सीधे होल्डिंग एरिया में टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे स्टेशन पर व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल रही है और यात्रियों को सुविधाजनक और संतोषजनक अनुभव मिल रहा है।

पश्चिम रेलवे का वडोदरा मंडल भी यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। 1 अक्टूबर से अब तक, वडोदरा मंडल द्वारा संचालित नियमित और 5 विशेष ट्रेनों के माध्यम से 30 लाख से अधिक यात्री उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल स्थित अपने गंतव्यों तक पहुंच चुके हैं। मंडल द्वारा पांच त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनके 70 से अधिक फेरे पहले ही अधिसूचित किए जा चुके हैं।

यात्री सुविधा के तहत, व्यस्त यात्रा समय के दौरान यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आज उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बीच 5,000 पैकेज्ड पेयजल बोतलें वितरित की गईं।

तंजावुर जंक्शन पर एक हालिया उदाहरण, जहां बुजुर्ग यात्रियों ने स्वच्छ सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम कक्षों का लाभ उठाया। उन्होंने विषम समय में भी आराम और सुविधा सुनिश्चित की। यात्रियों ने भी भारतीय रेलवे के अपने बेहतर यात्री अनुभव के हिस्से के रूप में विचारशील, सेवा-उन्मुख सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

भ्रामक सूचना का मुकाबला करना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना

भारतीय रेल यात्रियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चालू त्यौहारी सीजन के दौरान सतर्कता से काम कर रही है, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम भी उठा रही है।

यह संज्ञान में आया है कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल यात्रियों में अनावश्यक दहशत पैदा करने के लिए भीड़भाड़ और यात्रियों की असुविधा को दर्शाने वाली पुरानी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। इनमें से कई दृश्य बिना संदर्भ के शेयर किए जा रहे हैं, जिससे जनता को यह भ्रम हो रहा है कि ये हाल ही के हैं। आधिकारिक क्षेत्रीय हैंडल सक्रिय रूप से स्पष्टीकरण जारी कर रहे हैं और ऐसी भ्रामक सामग्री को पुराना और झूठा बता रहे हैं।

त्यौहार सीजन में वडोदरा मंडल ने की व्यापक व्यवस्था, फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से 30 लाख यात्रियों ने की यात्रा

दिवाली और छठ पर यात्रियों विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले निवासियों का एक प्रमुख त्यौहार है। दिवाली और छठ की मौके पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। 1 अक्टूबर से अभी तक वडोदरा मंडल द्वारा परिचालित नियमित एवं 5 स्पेशल ट्रेनों के जरिये अभी तक 30 लाख से ज्यादा यात्रिओं ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपने गंतव्य तक यात्रा की है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने आज आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि वडोदरा मंडल का यह प्रयास है कि छठ के दौरान यात्रिओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे खुशी खुशी अपने परिवार के साथ त्यौहार मना सके। इसके लिए वडोदरा मंडल द्वारा पांच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जिसके 70 से ज्यादा ट्रिप नोटिफिएड किये जा चुके है। वडोदरा स्टेशन से यात्रियों की सुविधा के लिए मऊ, कोलकाता और गोरखपुर के लिए आरक्षित ट्रेनें चलायी जा रही है, तो वहीं प्रतापनगर से दो अनारक्षित ट्रेनें कटिहार और जयनगर के लिए चलायी जा रही हैं। यात्रिओं तक

स्पेशल ट्रेनों की जानकारी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पहुचायी जा रही है। स्टेशन पर पर्याप्त जगह पर स्पेशल ट्रेनों की सूची लगाई गई है और इसकी उद्घोषणाएं ढअ सिस्टम पर लगातार की जा रही है।

श्री भडके ने बताया कि यात्रिओं की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट के विशेष प्रयास किये गए है। इसके लिए वडोदरा स्टेशन पर 350 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल का एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है,जहां यात्री ट्रेन आने से पहले आराम कर सकते हैं होल्डिंग एरिया में सीटिंग व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, पर्याप्त लाइटिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं दी गई है। मंडल के अंकलेश्वर, भरुच, वडोदरा, छायापुरी और गोधरा में यात्रिओं की सहायता के लिए राउंड द क्लॉक टिकट चेकिंग और रेल सुरक्षा बल के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गयी है, जिससे यात्रियों को कोई असुविधा न हो। मंडल कार्यालय में वॉर रूम स्थापित किया गया है, जहाँ उच्च अधिकारिओं द्वारा यात्रिओं की भीड़, उनकी सुरक्षा और स्टेशन पर सुविधाओं की निगरानी की जा रही है।

टिकटिंग एवं यात्री सुरक्षा में किये गए प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने आगे बताया कि यात्री को टिकट लेने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रतापनगर एवं वडोदरा स्टेशन पर एक्स्ट्रा बुकिंग काउंटर खोले गए हैं। यात्रिओं के लिए टिकटिंग को आसान करते हुए टिकट चेकर द्वारा मोबाइल टिकटिंग की भी व्यवस्था की गयी है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे द्वारा यात्रा की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्र्) के जवान प्रभावी समन्वय बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ड्यूटी के दौरान निर्बाध डिजिटल संचार के लिए वॉकी-टॉकी और बॉडी वॉर्न कैमरा का उपयोग कर रहें हैं।

त्योहार के समय यात्री अपने परिजनों से मिलने रेल सेवाओं को लाभ उठा रहे हैं। पश्चिम रेलवे का वड़ोदरा मंडल की आप सभी से अपील है टिकट खरीद कर यात्रा करें और स्टेशन पर उपलब्ध रेलवे कर्मचारियों के दिशा निदेर्शों का पालन करें। पश्चिम रेलवे छठ पर यात्रिओं के सफर को सुविधाजनक और आरामदायक बनाए के लिए प्रतिबध्द है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया बांद्रा टर्मिनस का दौरा

पहली तस्वीर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता मीडिया से बातचीत करते हुए तथा दूसरी तस्वीर में महाप्रबंधक होल्डिंग एरिया में यात्रियों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

त्योहारों की भीड़ के मद्देनजर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 21 अक्टूबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन का दौरा किया तथा अत्यधिक यात्री यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था और स्पेशल ट्रेन परिचालन का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरे के दौरान महाप्रबंधक ने बांद्रा टर्मिनस के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि कॉनकोर्स, होल्डिंग एरिया, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय और सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किया तथा त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए स्टेशन की तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के बाद श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मीडिया को संबोधित किया और उन्हें त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रबंधित करने तथा यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रेस ब्रीफिंग के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीजन के दौरान हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जबकि 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी इस अवधि के दौरान यात्रियों के लिए सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों पर आने वाली भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे लगभग 80 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के 2,400 से ज्यादा फेरे चला रही है, जिनमें से ज्यादातर उत्तर भारत की ओर जाती हैं। इनमें से 1,586 फेरे गुजरात से, 738 महाराष्ट्र से और 90 मध्य प्रदेश से हैं। इनमें अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों के लगभग 50 फेरे भी शामिल हैं।

श्री गुप्ता ने कहा कि टिकटिंग में आसानी के लिए मोबाइल यूटीएस सुविधा शुरू की गई है, जिसके माध्यम से बुकिंग कर्मचारी टिकट जारी करने के लिए सीधे यात्रियों से संपर्क करते हैं। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को प्रबंधित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त कर्मियों को स्टेशनों पर तैनात किया गया है, ताकि यात्रियों का मार्गदर्शन किया जा सके और कतारों में सुरक्षित, व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। नियमित और विशेष सेवाओं सहित ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा सुरक्षा की जा रही है।

श्री गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सीसीटीवी सिस्टम पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। सभी संवेदनशील स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, जहाँ पश्चिम रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी चौबीसों घंटे मौजूद रहते हैं। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बांद्रा टर्मिनस पर त्योहारों के दौरान अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं। 15 से 21 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान लगभग 70,000 यात्री बांद्रा टर्मिनस से अपने गंतव्य तक यात्रा कर पाए। इस अवधि के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए उधना/सूरत से 466, बांद्रा टर्मिनस से 468, मुंबई सेंट्रल से 254 और वलसाड से 72 फेरे चलाए गए।

श्री गुप्ता ने आगे बताया कि भीड़ के सुचारू आवाजाही और यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस पर 450 यात्रियों की क्षमता वाला 350 वर्ग मीटर का एक अस्थायी होल्डिंग एरिया एवं 1,000 यात्रियों की क्षमता वाला 702 वर्ग मीटर का एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। दोनों होल्डिंग एरिया में पर्याप्त रोशनी, पंखे और एक सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली है, ताकि यात्रियों को ट्रेनों की आवाजाही की जानकारी मिलती रहे। बांद्रा टर्मिनस पर यात्रियों की सहायता के लिए प्रतिदिन दो पालियों में कुल 70 लाइसेंस प्राप्त सहायक तैनात रहते हैं। सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर चौबीसों घंटे पर्याप्त संख्या में टिकट चेकिंग स्टाफ भी तैनात रहते हैं एवं यात्रियों की अत्यधिक संख्या को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले गए हैं।

भीड़ नियंत्रित करने के लिए मुंबई सेंट्रल मंडल के बांद्रा टर्मिनस, वापी और सूरत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दी गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्लेटफॉर्म पर पार्सल का ढेर न लगाने के सख्त निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने बताया कि त्योहारों के दौरान होने वाली भारी भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सभी मंडलों में निरंतर निगरानी और समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। उन्होंने यात्रियों से अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने, मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं का उपयोग करने और सुरक्षित एवं परेशानी मुक्त यात्रा के लिए रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के संचार एवं प्रसार पर शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला

(एजेंसी)।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएससीपीआर) ने राष्ट्रीय पहल स्वस्तिक (वैज्ञानिक रूप से मान्य सामाजिक पारंपरिक ज्ञान) के अंतर्गत "भारतीय ज्ञान प्रणालियों के संचार और प्रसार" पर शिक्षकों के लिए एक क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक ज्ञान को समाज तक पहुंचाना है। कार्यशाला का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) के साथ मिलकर किया गया। कार्यशाला का आयोजन अपने प्रमुख कार्यक्रम रुसेटअप (ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम) के अंतर्गत किया गया। कार्यशाला में 75 विभिन्न संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत एमडीयू के डॉ. सुरेंद्र यादव के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने ऑनलाइन परिचयात्मक भाषण दिया। उन्होंने स्वस्तिक का परिचय दिया और आईकेएस को क्षेत्रीय संस्थानों और शिक्षकों तक पहुंचाने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, आईएनवाईएएस और एमडीयू के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की।

मुख्य अतिथि और हिमालयन पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन (हेस्को), देहरादून के संस्थापक पद्म भूषण डॉ. अनिल पी. जोशी ने एक प्रेरक मुख्य भाषण दिया। अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के बीच जटिल संबंधों पर अपनी चर्चा में, डॉ. जोशी, जिन्हें "भारत के पर्वत पुरुष" के रूप में जाना जाता है, ने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक भारतीय ज्ञान हमेशा स्थिरता और आत्मनिर्भरता पर आधारित रहा है। उन्होंने शिक्षकों को भारत के स्वदेशी पारंपरिक ज्ञान के संदर्भ में वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने आईकेएस पर अंतःविषय पहल को बढ़ावा देने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर,

आईएनवाईएएस और एमडीयू के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ज्ञान का सच्चा प्रसार शिक्षकों से शुरू होता है, जो समाज में प्रमुख संचारक और परिवर्तनकर्ता के रूप में कार्य करते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन स्वस्तिक समन्वयक डॉ. चारु लता ने दिया और कार्यशाला की सफलता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, आयोजकों और प्रतिभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करने में सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, आईएनवाईएएस और एमडीयू के सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

"भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विरासतः संरक्षण से स्थायित्व तक" विषय पर आयोजित कार्यशाला के पहले तकनीकी सत्र में भारत की समृद्ध एवं विविध वैज्ञानिक विरासत और वर्तमान युग में इसकी निरंतरता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रख्यात कार्बनिक रसायनज्ञ, सीएसआईआर की उत्कृष्ट वैज्ञानिक और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की पूर्व निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विज्ञानों को एकीकृत करने वाला एक समग्र दृष्टिकोण भारत की वैज्ञानिक विरासत का आधार है। उन्होंने स्पष्ट संचार, वैज्ञानिक सत्यापन और शैक्षिक समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डिजिटल युग में अक्सर गलत जानकारी पारंपरिक ज्ञान को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है। उन्होंने सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की स्वस्तिक परियोजना, आयुष मंत्रालय, एआईसीटीई के आईकेएस प्रभाग और एनईपी 2020 जैसे कई भाषाओं में पारंपरिक प्रथाओं का दस्तावेजीकरण और सत्यापन करने वाले कार्यक्रमों का उल्लेख किया।

जेएनयू के पर्यावरण विज्ञान संकाय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अश्विनी तिवारी ने भारत में बढ़ते जल संकट से निपटने में पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियों के महत्व पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। स्थानीय जल संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, उन्होंने शिक्षकों को पर्यावरण शिक्षा में पारंपरिक जल ज्ञान को शामिल करने की सलाह दी।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. चारु लता ने भारत के पारंपरिक खाद्य ज्ञान पर एक गहन व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वस्तिक के अंतर्गत पारंपरिक प्रथाओं की पहचान और सत्यापन से लेकर उन्हें डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनता तक पहुँचाने तक अपनाई गई व्यवस्थित प्रक्रिया की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों के पारंपरिक ज्ञान के स्थानीय उदाहरण प्रस्तुत करके "स्वस्तिक के ब्रांड एंबेसडर" के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि जो शिक्षक और शोधकर्ता पारंपरिक ज्ञान को सत्यापित वैज्ञानिक आंकड़ों से जोड़ सकते हैं, वे ही विज्ञान का प्रभावी ढंग से संचार करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

दूसरे सत्र की शुरूआत सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक और स्वस्तिक टीम के डॉ. परमानंद बर्मन द्वारा पारंपरिक ज्ञान संचार पर एक इंटरैक्टिव व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ हुई। उन्होंने विज्ञान संचार के मूल सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए शुरूआत की और लोकप्रिय विज्ञान लेखन, इन्फोग्राफिक्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया आउटरीच सहित इसके विभिन्न रूपों पर चर्चा की, जो वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद करते हैं। सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को संचार सामग्री डिजाइन करने और पारंपरिक प्रथाओं पर आकर्षक इन्फोग्राफिक्स, पोस्टर और लघु वीडियो बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

सत्र के अंत में, डॉ. राज मुखोपाध्याय, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल ने स्वदेशी मृदा प्रबंधन पद्धतियों और मृदा उर्वरता, सूक्ष्मजीवी गतिविधि और पोषक चक्रण को बढ़ाने में उनकी भूमिका पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक प्रतिक्रिया और धन्यवाद प्रस्ताव सत्र के साथ हुआ, जहाँ स्कूलों और कॉलेजों के प्रतिभागियों ने इस समृद्ध अनुभव के लिए आभार व्यक्त किया। समापन भाषण में, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संध्या लक्ष्मणन ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

पाकिस्तान मूर्खता के बाद मूर्खता का परिचय दे रहा

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में पाकिस्तान ने तहरीके तालिबान-पाकिस्तान के प्रामुख को निशाना बनाने के बहाने काबुल सहित कई शहरों पर हवाई हमले करके तालिबान को भड़का दिया किन्तु प्रातिव्रिया स्वरूप जब तालिबान ने सीमा पर पाक सैनिकों पर हमला किया तो पाकिस्तानियों के पैर उखड़ गए और वे जान बचाकर भागे।

तब पाक जनरलों को एक धूर्तता करने की सूझी। उन्होंने तालिबान से युद्ध विराम का आग्राह किया। दोनों में सहमति बन गई। लेकिन इसी बीच पाकिस्तान की वायुसेना ने फिर अफगानिस्तान पर हमला करके उसके 10 खिलाड़ियों को मार डाला। पाकिस्तान के इस विश्वासघात से नाराज तालिबान ने पाकिस्तान से कहा है कि अब वह निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है और पाक सेना को पाकिस्तान के बार्डर तक पीछे धकेल देगी।

दरअसल यह ऐतिहासिक तथा दुनिया से छिपा नहीं है कि पाक सेना आज तक अपने किसी भी पड़ोसी देश की सेना से जीती नहीं जबकि अफगानिस्तान दुनिया में किसी से हारा नहीं। पाकिस्तान मूर्खता के बाद मूर्खता का परिचय दे रहा है, और इसी व्रम में पाक वायुसेना ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। सच पूछे तो इस हमले का उद्देश्य ही अफगानिस्तान के लोगों को इस बात का एहसास कराना था कि देखो तुम्हारा विदेश मंत्री भारत में है और वे (पाक) अफगानिस्तान को वुछ भी नहीं समझते। मतलब यह कि यदि अफगानिस्तान भारत से मैत्री संबंध बनाना चाहता है तो बनाए, पाकिस्तान उसे तबाह कर सकता है। पाकिस्तान को इस बात का अनुमान नहीं था कि उनकी इस एक दुःसाहस से दोनों देशों के बीच संबंध खुलेआम शत्रुता में बदल जाएगी।

वास्तविकता तो यह है कि पाक सेना प्रामुख आसिम मुनीर को लगता है कि यदि इस क्षेत्र में तनाव पैदा हो जाए तो अमेरिका को बड़ी आसानी से हस्तक्षेप करने का अवसर मिल जाएगा। मुनीर ने यह चाल तब चली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तालिबान से बगराम एयरपोर्ट मांगा और उन्होंने उसे टका सा जवाब देते हुए बगराम एयरपोर्ट देने से साफ इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि बगराम एयरपोर्ट अमेरिका ने बनाया था जबकि वास्तविकता यह है कि इस एयरपोर्ट को रूस ने बनाया था। किन्तु 2021 में अमेरिकी जब अफगानिस्तान छोड़ने से पहले बगराम एयरपोर्ट की सारी तकनीक सिस्टम को नष्ट कर दिया था। इस बीच अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी जब भारत आए तो उन्होंने बगराम एयरपोर्ट को फिर से तकनीकी सिस्टम लगाने और विकसित करने का प्रास्ताव रखा। भारत ने इस प्रास्ताव पर विचार करने का विदेश मंत्री मुत्ताकी को आश्वासन भी दे दिया। पाकिस्तान चाहता है कि भारत किसी हालत में न आए जबकि भारत अफगानिस्तान में मौजूद खनिज संपदा को निकालने में उत्सुक है।

पाकिस्तान को दो डर है, पहला तो यह कि भारत अफगानिस्तान में अपनी लंबित परियोजनाओं, बगराम एयरपोर्ट को विकसित करने तथा खनिज संपदा की खुदाई की योजना को लागू कर दिया तो यह उस (पाकिस्तान) की वूटनीतिक पराजय होगी। इसलिए पाकिस्तान के सनकी सेना ने ठान लिया कि अब अमेरिका को अफगानिस्तान में एक बार फिर स्थापित करके भारत-अफगानिस्तान सहयोग की उम्मीदों पर पानी पेरना ही उसके हित में है। किन्तु पाकिस्तान को इस बात की जरा भी आशंका नहीं थी कि चीन इस टकराव में अफगानिस्तान के पक्ष में बयान देगा। चीन ने दो टूक कहा कि वह अफगानिस्तान सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ प्रातिव्रिया स्वरूप हमले का समर्थन करता है क्योंकि वह अफगानिस्तान के राष्ट्रीय एकता का एवं प्राभुसत्ता का समर्थन करता है। चीन द्वारा अफगानिस्तान के समर्थन के दो कारण हैं, पहला तो यह कि उसकी परियोजनाएं अफगानिस्तान में चल रही हैं और उनके इंजीनियरों एवं तकनीकी कर्मचारियों को तालिबान का पूरा समर्थन है। इसलिए वह नहीं चाहता कि पाकिस्तान तालिबान सत्ता को अस्थिर करे। दूसरा कारण यह है कि अमेरिका बगराम चाहता ही है चीन पर नजर रखने के लिए। चीन कदापि नहीं चाहता

प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर मनाई गई दिवाली की झलकियां साझा कीं

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय नौसेना के साथ आईएनएस विक्रांत पर मनाए गए दिवाली उत्सव की झलकियां साझा कीं। श्री मोदी ने इसे अद्भुत, असाधारण क्षण और विलक्षण दृश्य बताते हुए इस बात का उल्लेख किया कि एक ओर विशाल सागर है तो दूसरी ओर भारत माता के वीर सैनिकों की अपार शक्ति। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर अनंत क्षितिज और असीम आकाश है, वहीं दूसरी ओर अपरिमित शक्ति के प्रतीक आईएनएस विक्रांत का विराट पराक्रम प्रदर्शित होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्र पर सूर्य की रोशनी की चमक दीपावली के दौरान वीर सैनिकों की ओर से जलाए गए दीयों की तरह है जो दीपों की एक दिव्य माला का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के वीर जवानों के साथ यह दिवाली मनाने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में श्री मोदी ने कहा:

'आईएनएस विक्रांत पर हमारे बहादुर नौसेना कर्मियों के साथ दिवाली मनाते हुए।'

"लोग अपने परिवार के साथ दिवाली मनाना पसंद करते हैं और मैं भी यही करता हूं, यही वजह है कि हर वर्ष मैं अपने देश की सुरक्षा के लिए तैनात सेना के जवानों और सुरक्षाकर्मियों से मिलता हूं। गोवा

और कारवार के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के जहाजों पर सवार हमारे बहादुर नौसैनिकों के बीच प्रमुख पोत आईएनएस विक्रांत पर उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।"

'आईएनएस विक्रांत पर मैंने जो कुछ देखा उसमें वायु शक्ति प्रदर्शन, जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम और बहुत कुछ शामिल है'

'आईएनएस विक्रांत के भव्य उड़ान डेक पर मिग-29 लड़ाकू विमानों के साथ।'

"मैंने आईएनएस विक्रांत पर आश्चर्यजनक और प्रेरणादायक वायु शक्ति प्रदर्शन देखा जिसमें सटीकता और पराक्रम की झलक नजर आई। दिन के उजाले और अंधेरी रात में छोटी हवाई पट्टी पर मिग-29 लड़ाकू विमानों का उड़ान भरना और उतरना, कौशल, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्भुत प्रदर्शन था।"

"बड़ा खाना सशस्त्र बलों की परंपराओं का अभिन्न अंग है। कल शाम आईएनएस विक्रांत पर मैंने नौसेना कर्मियों के साथ बड़ा खाना में भाग लिया।"

'आईएनएस विक्रांत भारत का गौरव है! यह स्वदेश में निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत है। मुझे कोच्चि में हुए उस कार्यक्रम की याद आ रही है जब इसे नौसेना की सेवा में शामिल किया गया था। और आज मुझे दिवाली के अवसर पर यहां आने का अवसर मिला।

"कल शाम आईएनएस विक्रांत पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम की यादों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। नौसेना के जवान वाकई रचनात्मक

और बहुमुखी हैं। उन्होंने 'कसम सिंदूर की' गीत लिखा जो हमेशा मेरी यादों में अंकित रहेगा।"

'आईएनएस विक्रांत पर वायु शक्ति प्रदर्शन से!' 'आईएनएस विक्रांत पर योग! भारत के गौरव आईएनएस विक्रांत पर सवार बहादुर नौसैनिकों को योग सत्र में भाग लेते देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। योग हमें एकजुट करता रहे और हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत को मजबूत करता रहे।'

"आप सभी की तरह मुझे भी अपने परिवार वालों के साथ दिवाली मनाना बहुत पसंद है। यही वजह है कि इस पावन अवसर पर मैं देश की रक्षा में जुटे अपने सैनिकों और सुरक्षा बलों के जवानों से हर साल मिलता हूं। इस बार यह सौभाग्य मुझे पश्चिमी समुद्री सीमा के पास अपने फ्लैगशिप आईएनएस विक्रांत पर मिला। अपने जांबाज नौसैनिकों के साथ यह अवसर मुझे नई ऊर्जा और नए उत्साह से भर गया है।"

'आईएनएस विक्रांत भारतवर्ष का गौरव है!

यह स्वदेशी तकनीक से बना भारत का सबसे बड़ा युद्धपोत है। मुझे वह कार्यक्रम याद है, जब इसे कोच्चि में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। आज दीपावली के पावन अवसर पर यहां आकर गौरवान्वित हूं।" "पिछली शाम आईएनएस विक्रांत पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम अविस्मरणीय रहेगा। हमारे नौसैनिक प्रतिभाशाली और पराक्रमी होने के साथ-साथ बहुत क्रिएटिव भी हैं। उनका गीत 'कसम सिन्दूर की' मेरी स्मृतियों में सदा बसा रहेगा।"

'आज के स्टीमपास्ट में जिन युद्धपोतों ने भाग लिया उनमें आईएनएस विक्रांत (समीक्षा मंच), आईएनएस विक्रमादित्य (जहां मैं दस साल पहले संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन के लिए गया था), आईएनएस सूरत (जिसे इस साल की शुरूआत में मुंबई में नौसेना में शामिल किया गया था), आईएनएस मोरमुगाओ, आईएनएस चेन्नई (जो फ्रांस में बैस्टिल दिवस समारोह 2023 का हिस्सा बने थे), आईएनएस इम्फाल (जिसने इस वर्ष मॉरीशस राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया था), आईएनएस कोलकाता, आईएनएस तुषिल, आईएनएस तबर, आईएनएस तेग, आईएनएस बेतवा, आईएनएस दीपक और आईएनएस आदित्य शामिल थे'।

'आईएनएस विक्रांत पर फ्लाईपास्ट में ध्वज और नौसेना के निशान के साथ चेतक, एमएच 60 आर, सीकिंग, कामोव 31, डोर्नियर, पी8आई और मिग 29के शामिल थे'।

सितंबर, 2025 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक (आधार वर्ष : 2011-12=100)

(एजेंसी)।

आठ कोर उद्योगों (आईसीआई) का संयुक्त सूचकांक सितंबर, 2024 के सूचकांक की तुलना में सितंबर, 2025 में 3.0 प्रतिशत (अनंतिम) बढ़ गया। इस्पात, सीमेंट, विद्युत और उर्वरक के उत्पादन में सितंबर, 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक सूचकांक, मासिक सूचकांक और वृद्धि दर के विवरण अनुलग्नक-क और अनुलग्नक-वक्क में दिए गए हैं।

आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगों- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और विद्युत - के उत्पादन के संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन को मापता है। आठ प्रमुख उद्योग औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं के भार का 40.27 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं।

अगस्त 2025 के लिए आठ कोर उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही । अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत (अनंतिम) है।

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक का सारांश नीचे दिया गया है:

कोयला - कोयला उत्पादन (भारांकः 10.33 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.2 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.7 प्रतिशत घट गया।

कच्चा तेल - कच्चे तेल का उत्पादन (भारांकः 8.98 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.3 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.1 प्रतिशत घट गया।

प्राकृतिक गैस - प्राकृतिक गैस का उत्पादन (भारांकः 6.88 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 3.8 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत घट गया।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद - पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (भारांकः 28.04 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 3.7 प्रतिशत घट गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.3 प्रतिशत घट गया।

उर्वरक - उर्वरक उत्पादन (भारांकः 2.63 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 1.6 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.4 प्रतिशत कम हो गया।

इस्पात - इस्पात उत्पादन (भारांकः 17.92 प्रतिशत) सितम्बर, 2025 में सितम्बर, 2024 की तुलना में 14.1 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितम्बर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.0 प्रतिशत बढ़ गया।

सीमेंट - सीमेंट उत्पादन (भारांकः 5.37 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.7 प्रतिशत बढ़ गया।

विद्युत - विद्युत उत्पादन बिजली उत्पादन (भारांकः 19.85 प्रतिशत) सितंबर, 2025 में सितंबर, 2024 की तुलना में 2.1 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल से सितंबर, 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.9 प्रतिशत बढ़ गया।

नोट 1: अगस्त, 2025 के आंकड़े अंतिम हैं। सितंबर, 2025 के आंकड़े अनंतिम हैं। कोर उद्योगों के सूचकांकों को स्रोत एजेंसियों से प्राप्त अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संशोधित/अंतिम रूप दिया जाता है।

नोट 2: अप्रैल 2014 से नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत उत्पादन के आंकड़े भी शामिल किए गये हैं।

नोट 3: ऊपर दर्शाए गए उद्योग-वार भारांक, आईआईपी से प्राप्त व्यक्तिगत उद्योग भारांक हैं, जो आईसीआई से लिए गये हैं और आईसीआई के संयुक्त भारांक को 100 के बराबर बनाने के लिए अनुपातिक आधार पर बढ़ाये गये हैं।

नोट 4: मार्च 2019 से तैयार इस्पात के उत्पादन के अंतर्गत 'कोल्ड रोल्ड (सीआर) कॉइल्स' मद के अंतर्गत हॉट रोल्ड पिकल्ड एंड ऑइल्ड (एचआरपीओ) नामक एक नया इस्पात उत्पाद भी शामिल किया गया है।

नोट 5: अक्टूबर, 2025 के लिए सूचकांक गुरुवार, 20 नवंबर, 2025 को जारी किया जाएगा।

भारतीय नौसेना के कमांडरों के सम्मेलन का द्वितीय संस्करण 22 अक्टूबर 2025 से शुरू होगा

(एजेंसी)।

भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक कमांडर सम्मेलन 2025 का द्वितीय संस्करण नई दिल्ली में 22 से 24 अक्टूबर 2025 तक तीन दिन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन 'ऑपरेशन सिंदूर' और नौसेना के तीव्र गति के अभियानों और युद्ध की तैयारियों की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय तटरक्षक बल के साथ युद्ध क्षमताओं, अंतर-संचालन क्षमता और संयुक्त अभियानों को बढ़ाने पर नौसेना का ध्यान उभरते खतरों को रोकने और हिंद महासागर क्षेत्र तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री कौशल का प्रदर्शन करने के उसके संकल्प पर बल देता है।

सम्मेलन के दौरान माननीय रक्षा मंत्री और कैबिनेट सचिव नौसेना के कमांडरों को संबोधित करेंगे और व्यापक राष्ट्रीय हितों तथा विकसित भारत 2047 के प्रति दृष्टिकोण के संबंध में तस्वीर पेश करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय नेतृत्व और नौकरशाहों के बीच घनिष्ठ संपर्क के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है और वर्तमान भू-रणनीतिक वातावरण में बहुआयामी चुनौतियों से निपटने की दिशा में नौसेना के दृष्टिकोण को बेहतर बनाता है।

इस सम्मेलन को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) और वायुसेना अध्यक्ष (चीफ ऑफ एयर स्टाफ) के संबोधित करेंगे और नौसेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ गहन चचाएँ भी इसमें शामिल होंगी। इन वाताओं का उद्देश्य संयुक्त योजना और संचालनों के क्रियान्वयन में तालमेल और क्षमता वृद्धि के लिए संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर केंद्रित होगा।

नौसेना प्रमुख इस दौरान सभी कमांडर-इन-चीफ के साथ मिलकर हमारी प्राथमिक ज़िम्मेदारी के क्षेत्र हिंद महासागर में समग्र सुरक्षा स्थिति से संबंधित योजनाओं की समीक्षा और मूल्यांकन करेंगे। साथ ही, वर्तमान परिदृश्य में विभिन्न नौसैनिक कार्रवाइयों के संचालन, इसके लिए प्रशिक्षण और संसाधन की उपलब्धता से संबंधित आदर्श स्थितियों पर भी चर्चा होगी। कमांडर भविष्य की संभावनाओं के लिए नौसेना के रोडमैप पर भी गहन विचार-विमर्श करेंगे। इसमें कार्रवाइयों के संचालन से संबंधित प्रमुख बिन्दु, बेहतर ऑपरेशन लॉजिस्टिक्स संबंधी विषय और डिजिटलीकरण शामिल हैं। इस दौरान, युद्ध समाधानों और सुरक्षित वातावरण में निरंतर निर्बाध संचालन के लिए एआई, बिग डेटा और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक परिवर्तनकारी तकनीकों की समीक्षा के लिए चर्चा की योजना भी बनाई गई है।

सम्मेलन में व्यापक स्तर पर नौसेना का शीर्ष नेतृत्व पश्चिमी और पूर्वी समुद्री तटों पर अपनी परिचालन तैयारियों की समीक्षा करेगा, मेक इन इंडिया योजना के तहत स्वदेशीकरण और नवाचार को बढ़ावा देने, भारत सरकार के महासागर (सभी क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और आईओआर तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में भारतीय नौसेना की स्थिति को प्रोत्साहित करने के संबंध में विचार करेगा।

भारी उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और स्वायत्त निकाय, विशेष अभियान 5.0 में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहे हैं

(एजेंसी)।

स्वच्छता को संस्थागत बनाने और सरकारी मामलों में लंबित मामलों के निपटान के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) अपने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) और स्वायत्त निकायों (एबी) के साथ मिलकर विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 5.0 में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है जो लगातार पाँचवें वर्ष चल रहा है। यह अभियान 2 अक्टूबर से शुरू हो गया है और 31 अक्टूबर, 2025 तक चलेगा।

विशेष अभियान 5.0 के तैयारी चरण के दौरान चिह्नित की गई स्वच्छता गतिविधियों के कार्यान्वयन का निरीक्षण भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर जा रहा है। दैनिक प्रगति की एक रिपोर्ट की निगरानी एक समर्पित टीम द्वारा की जा रही है और इसे प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा होस्ट किए गए एससीडीपीएम पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।

मौजूदा विशेष अभियान 5.0 के भाग के रूप में, एमएचआई के सचिव श्री कामरान रिजवी ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमएचआई, नई दिल्ली के विभिन्न

प्रभागों का निरीक्षण किया।

20 अक्तूबर 2025 तक की मध्यावधि समीक्षा के अनुसार —

1,336 लक्षित स्थलों में से 755 स्थलों पर स्वच्छता अभियान पूरा किया गया (57% उपलब्धि)

37.29 लाख वर्ग फीट लक्ष्य के मुकाबले 28.75 लाख वर्ग फुट जगह खाली कर दी गई है। (77% उपलब्धि)

28 सार्वजनिक शिकायतें और 10 अपीलें पूरी तरह निस्तारित की गईं (100% उपलब्धि)

40,400 लक्षित फाइलों में से 16,667 भौतिक फाइलों की समीक्षा की गई। (41% उपलब्धि)

7,404 लक्षित फाइलों के मुकाबले 11,426 फाइलें नष्ट की गईं। (154% उपलब्धि)

10,59,804 ई-फाइलों में से 10,54,976 की समीक्षा। (99% उपलब्धि)

9,50,333 लक्षित ई-फाइलों में से 9,45,422 नष्ट की गईं। (99% उपलब्धि)

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, ईपीआईएल ने कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में चौथी मंजिल की पेंट्री का नवीनीकरण किया है।

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, सीएमटीआई ने कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित सीएएसएमपी ब्लॉक में अपनी छत पर सफाई गतिविधियां शुरू की हैं।

इसके अलावा, जागरूकता और व्यापक कवरेज बनाने के लिए, सीपीएसई और एबी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर 350 से अधिक ट्वीट पोस्ट किए गए हैं। अब तक, एमएचआई द्वारा 3 पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) वक्तव्य जारी किए गए हैं, जिनमें विशेष अभियान 5.0 के तहत मंत्रालय और उसके सीपीएसई/एबी द्वारा की गई महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

विशेष अभियान 5.0 के एक भाग के रूप में, एवाईसीएल ने अपने मुख्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में कार्यालय स्क्रैप/कबाड़ को हटाकर सफाई गतिविधियां शुरू की हैं और इसे एक मनोरंजन कक्ष में बदल दिया है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने पहली बार अंतर-संगठन निरीक्षण प्रणाली शुरू की है ताकि विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

गुजरात और हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय निकायों को मजबूत बनाने के लिए केंद्र ने पंद्रहवें वित्त आयोग के अनुदान के रूप में ₹730 करोड़ से अधिक जारी किए

(एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने गुजरात और हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पंद्रहवें वित्त आयोग (श ऋछ) के अनुदान जारी किए हैं। गुजरात में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹522.20 करोड़ की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त राज्य की सभी 38 ज़िला पंचायतों, 247 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 14,547 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए जारी की गई है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुक्त (अनटाइड) अनुदान की पहली किस्त के रोके गए हिस्से के ₹13.5989 करोड़ अतिरिक्त पात्र 6 जिला पंचायतों, 5 ब्लॉक पंचायतों और 78 ग्राम पंचायतों को भी जारी कर दिए गए हैं। जबकि हरियाणा के लिए, केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुक्त अनुदान की ₹195.129 करोड़ की पहली किस्त जारी की है, जो राज्य की 18 जिला पंचायतों, 134 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 6,164 ग्राम पंचायतों के लिए है।

भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से, राज्यों को पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए श-ऋछ अनुदान जारी करने की सिफारिश करती है, जिन्हें बाद में वित्त मंत्रालय जारी करता है। आवंटित अनुदानों की सिफारिश की जाती है और एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में जारी किया जाता है। वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, पंचायती राज संस्थाओं/ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित उनतीस (29) विषयों के अंतर्गत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए मुक्त अनुदानों का उपयोग किया जाएगा। बद्ध (टाइड) अनुदानों का उपयोग (क) स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति (ओडीएफ) स्थिति के रखरखाव की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है, और इसमें घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, विशेष रूप से मानव मल और मल प्रबंधन, और (ख) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए।

सर्वोत्तम अभ्यास: विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत विधायी विभाग में वॉल पेंटिंग पहल शुरू

(एजेंसी)।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग ने कानून का मसौदा तैयार करने और उसकी समीक्षा करने के अपने मुख्य कार्य के अलावा, सरकार के विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत कई रचनात्मक और टिकाऊ पहल की हैं। इस पहल के तहत, विभाग के गलियारों और सार्वजनिक स्थानों को "अपशिष्ट से धन" की अवधारणा - पृथ्वी बचाओ, प्लास्टिक निषेध, पुनर्चक्रण, अपशिष्ट से कला, पुरानी फाइलें, कागज और पर्यावरण-अनुकूल - के अनुरूप विषयगत वॉल पेंटिंग्स से सजाया गया है। इन पहलों से कार्यस्थल की सुंदरता और कर्मचारियों के मनोबल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही विभाग की स्थिरता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता भी सुदृढ़ हुआ है। यह मॉडल स्थानीय कलात्मक प्रतिभा का लाभ उठाकर और पर्यावरणीय चेतना तथा संस्थागत गौरव को बढ़ावा देने हेतु सामग्रियों का रचनात्मक पुनः उपयोग करके अन्य सरकारी विभागों के लिए एक अनुकरणीय ढांचा प्रदान करता है।

पेंटिंग का यह कार्य शास्त्री भवन में अपर सचिव/नोडल अधिकारी श्री आर.के. पटनायक की देखरेख में श्रीमती राखी बिस्वास, अवर सचिव और विधायी विभाग के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर, नोडल अधिकारी श्री आर.के. पटनायक ने अभियान के सर्वोत्तम अभ्यास के महत्व पर बल दिया।

वजीरगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई: फर्जी रजिस्ट्री कर जमीन हड़पने वाले गिरोह का पदार्फाश

(एजेंसी)।

लखनऊ। थाना वजीरगंज पुलिस ने जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर वादी की जमीन पर कब्जा कर जाली दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री कराने का गंभीर आरोप है। पुलिस के अनुसार, वादी कमलकांत सिंह पुत्र डॉ. के.एम. सिंह, निवासी पुराना हैदराबाद, लखनऊ ने तहरीर देकर बताया कि कुछ लोगों ने उनकी जमीन को समतल कराकर फर्जी महिला को खड़ा कर उसकी अंगूठा निशानी और फोटो लगाकर साजिश के तहत जाली रजिस्ट्री तैयार कर ली थी। इस संबंध में थाना वजीरगंज में मुकदमा अपराध संख्या 209/2025, धारा 319(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2) बी.एन.एस. के तहत

मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। मुखबिर खास की सूचना पर दिनांक 20 अक्टूबर 2025 को समय करीब 4:55 बजे पांचों वांछित अभियुक्तों को शहीद स्मारक पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम व पता अमित कुमार पुत्र राजाराम, निवासी ढोलबाजा, बीरपुर, थाना माल, लखनऊ (30 वर्ष), सूरज राजपूत पुत्र वीरबल वर्मा, निवासी छठा मील, कमलाबाद बढ़ौनी, थाना जानकपुरम, लखनऊ (28 वर्ष), सुधीर कुमार सिंह पुत्र बबन सिंह, निवासी घूरीपुर बडौनडीह, थाना कादीपुर, जनपद सुल्तानपुर (49 वर्ष), ओमकार शुक्ला पुत्र राजकुमार शुक्ला, निवासी 555क/139, कनौसी, मानकनगर, लखनऊ (52 वर्ष), वसीम पुत्र कय्यूम, निवासी मड़ियांव, थाना जानकीपुरम, लखनऊ (29 वर्ष), गिरफ्तारी करने वाली टीम में रहे

थाना वजीरगंज पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक रणविजय सिंह, अंशुमान सिंह, सुमित कुमार, हेड कांस्टेबल उमेश चंद्र, कांस्टेबल रामनरेश और कपिल कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रकेहटी पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी रकेहटी कस्बे में किया फ्लेग मार्च

निघासन खीरी।

दिपावली के त्योहार को मद्देनजर रखते हुए रकेहटी सहायता केंद्र प्रभारी प्रभारी ज्योति मिश्रा अपने पुलिस बल के साथ रकेहटी कस्बे में फ्लैक मार्च कर व्यापारियों को दिशा-निर्देश दिए। कस्बे के हर दुकान पर जाकर सुरक्षित रहने को कहा और जिस दुकानों में सी सी टी वी कैमरे लगे हैं उन दुकानदारों को हिदायत दिया कि अपने अपने कैमरे चालू रखें सुरक्षा अपने हाथों में है । त्योहार को देखते हुए भीड़ भाड़ में

पुलिस पूरे कस्बे में फ्लेग मार्च करती रही। और पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी ज्योति मिश्रा अपने अधीनस्थों के साथ उन्होंने पूरी मुस्तैदी से नगर वासियों के साथ साथ आपस के गांवों से खरीददारी के लिए आने वाले लोगों को जाम के झाम से आवागमन सुरक्षित कराया।

लोगों ने एक सजग और जिम्मेदार ड्यूटी के लिए प्रभारी ज्योति मिश्रा की लोगों ने प्रशंशा की।

साथ में दीवान राजकुमार अर्चना वर्मा आशुतोष योगेंद्र आदि पुलिस बल मौजूद रहा।।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ किया झाड़ीशाह मेला तैयारियों का निरीक्षण

(एजेंसी)।

हरदोई सण्डीला के नगरीय क्षेत्र में 24 अक्टूबर 02 नवम्बर 2025 तक लगने वाले ऐतिहासिक झाड़ीशाह बाबा के सालाना उर्स एवं मेला की तैयारियों व व्यवस्थाओं का निरीक्षण आज जिलाधिकारी अनुनय झा ने पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के साथ किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मेला कमेटी अध्यक्ष सूफी मो0 शहनवाज आलम से मेले के संबंध में जानकारी ली साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया तथा निर्देश दिये कि बच्चों की सुरक्षा के तहत मेला में लगने वाले झूलों की टेस्टिंग पहले करा लें तथा दुकान लगाने वाले लोगों के नाम एवं मोबाइल नम्बर एक रजिस्टर पर लिखायें तथा दुकानदार सामान की रेट लिस्ट लगाये।

झाड़ी साह बाबा मेले का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी

उन्होने कहा मेले में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 200 वालंटियर तैनात करें और आनी वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश एवं निकास द्वारा अलग-अलग बनवायें ताकि जाम की समस्या उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद सण्डीला को निर्देश दिये मेला में खास कर आने वाली महिलाओं व बच्चों के लिए मोबाइल शौचालय व्यवस्था कराये तथा पेयजल के साथ मेले में बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था भी करायें तथा भीड़ पर नजर रखने हेतु सीसी टीवी कैमरे लगवायें। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये मेला में विद्युत व्यवस्था सुचारू बनायें रखे। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सण्डीला नारायणी भाटिया तथा सीओ संतोष कुमार सिंह को निर्देश दिये की मेला में शांन्ति व्यवस्थायें रखने के लिए निरन्तर भ्रमणशील रहें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सीओ एवं थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि मेला में आराजक एवं शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल के साथ सादी वर्दी में भी पुलिस कर्मियों को तैनात करें तथा मेला में पिंक बूथ स्थापित किये गये है। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेन्द्र कुमार, नायब तहसीलदार देवानन्द, प्रभारी निरीक्षक विद्या सागर पाल आदि लोग मौजूद रहे

दो युवा पत्रकारों की अचानक मौत से पत्रकारिता जगत में दुख की लहर

ऑक्सीजन न मिलने से पत्रकार सुहैल अरशद खान की मौत, 108 एम्बुलेंस की लापरवाही

पत्रकार शमीम अहमद का निधन, डिप्रेशन को बताया जा रहा कारण

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की विकास-गाथा में दो साँसों का मौन! जब कलम के सिपाही ही दम तोड़ गए

राजधानी लखनऊ! जिसे हम नवाबों के शहर, तहजीब की नगरी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के केंद्र के रूप में जानते हैं। मगर अफसोस, इसी चमचमाती राजधानी में, दो युवा पत्रकारों की साँसें जिस ढंग से रूकीं, वह समूचे सुशासन और विकास के दावों पर एक करारा तमाचा है। यह सिर्फ दो व्यक्तियों की मौत नहीं, यह उस व्यवस्था की मौत है, जिसके लिए ये पत्रकार अपनी कलम घिसते रहे। तड़प-तड़प कर मौत, 108 में भी नहीं था ऑक्सीजन सुहैल अरशद खान, एक युवा कलमकार, जिसका काम था समाज की हर तकलीफ को उजागर करना। लेकिन जब खुद उन पर आफत आई, तो इस विश्व-स्तरीय चिकित्सा व्यवस्था ने उनके लिए क्या दिया? एक सरकारी 108 एम्बुलेंस, जो जीवन-रेखा बननी चाहिए थी, वह उनके लिए मौत की गाड़ी बन गई हमारी स्वास्थ्य सेवाएँ! दुनिया से लड़ने वाले और पीड़ितों की मदद करने वाले इस पत्रकार को, राजधानी के बीचों-बीच, सबसे मूलभूत चीज, ऑक्सीजन न मिल सकी। ये कैसी विडंबना है कि जिस पत्रकार ने शायद न जाने कितनी बार स्वास्थ्य विभाग की पोल खोली होगी, उसी विभाग की लापरवाही ने उसे तड़प-तड़प कर दम तोड़ने पर मजबूर कर दिया। सवाल तो बनता है अगर राजधानी के केंद्र में एक पत्रकार का यह हाल है, तो उन आम जनता का क्या होगा, जिन तक कभी एम्बुलेंस पहुँच ही नहीं पाती? यह घटना स्वास्थ्य विभाग की नहीं, सत्ता के अहंकार की खुली पोल है। अब वही सत्ता इस लापरवाही पर लीपापोती करेगी और फिर किसी बहादुर अधिकारी को निलम्बित कर कड़ी कार्रवाई का नाटक करेगी। मगर, एक जान तो चली गई! कलम की धार पर डिप्रेशन का जंग! दूसरी दुखद कहानी है मोहम्मद शमीम अहमद की। 20 वर्षों तक भ्रष्टाचार के खिलाफ अकेले खड़े रहने वाले, आरटीआई की तलवार चलाने वाले एक निडर पत्रकार! जिन्होंने भ्रष्ट अधिकारी को यह कहकर बेनकाब किया कि, तुम मुसलमान हो, जवाब नहीं देंगे, इस हौसले वाले इंसान का अंत हुआ, डिप्रेशन से सोचिए, जो व्यक्ति भ्रष्ट अधिकारियों के नाक में नकेल कसने में माहिर था, उसे जीवन की व्यक्तिगत त्रासदियों ने भीतर से कितना तोड़ दिया होगा। यह समाज, यह व्यवस्था, क्या यही फल देती है उन लोगों को, जो अपनी पूरी ज़िंदगी समाज को बेहतर बनाने में लगा देते हैं? शमीम अहमद जैसे लोग, जो निडरता से अपने कलाम की धार पर ज़िंदगी गुजार देते हैं, उनके लिए समाज में कोई सहारा क्यों नहीं होता? जब वे भ्रष्टाचारियों से लड़ते हैं, तब तो समाज तालियाँ बजाता है, लेकिन जब वे निजी दुःख के दलदल में धँसते हैं, तो उन्हें अकेला क्यों छोड़ दिया जाता है? शोक सिर्फ फेसबुक पर आज जब उनकी मृत्यु की खबर हमें सोशल मीडिया के माध्यम से मिली, तो दुख की एक लहर दौड़ गई। हम अपनी व्यस्तताओं में इतने खोए रहे कि उनके दुखों का अंदाजा भी नहीं लगा पाए। अब शोक सभा में शामिल न हो पाने का अफसोस जता रहे हैं। यह दिखाता है कि हम वीआईपी संस्कृति में जीने वाले लोग, समाज के लिए काम करने वालों को सिर्फ उनकी कहानियों तक याद रखते हैं। जब तक वे हमारी जरूरत हैं, वे हमारे हीरो हैं। और जब वे टूट जाते हैं, तो हम उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। सुहैल अरशद खान और शमीम अहमद, आप दोनों को अंतिम नमन। आप शायद व्यवस्था से लड़ते हुए थक गए थे, इसलिए ईश्वर ने आपको आराम दे दिया। हमारी प्रार्थना है कि आपके परिवार को जल्द से जल्द सब्र मिले, क्योंकि आपकी कमी तो यह विकासशील समाज कभी पूरी नहीं कर पाएगा।

विज्ञान संचार पर पालमपुर स्थित सीएसआईआर-आईएचबीटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

(एजेंसी)।

राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर), नई दिल्ली ने सीएसआईआर-हिमालयी जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएचबीटी), पालमपुर के सहयोग से "संचार से जुड़ावः सबके लिए विज्ञान" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर में उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में विज्ञान प्रसार और समावेशी संचार के लिए नई रणनीतियों की खोज हेतु अग्रणी वैज्ञानिक, संचारक और नवप्रवर्तक एक साथ आए।

इस उद्घाटन सत्र में प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने गहन विचार प्रस्तुत किए। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने अपने स्वागत भाषण में छात्रों और हितधारकों को देश भर में हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधान की व्यापकता के बारे में जानकारी देने के महत्व और वैज्ञानिकों की भूमिका पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पालमपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधान की सराहना की। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के लोकप्रिय विज्ञान विभाग के प्रमुख एवं मुख्य वैज्ञानिक श्री सी.बी. सिंह ने एक सहयोगी विज्ञान समुदाय तैयार करने के इस कार्यशाला के लक्ष्य पर प्रकाश डाला और इसके विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तार से जानकारी दी।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के निदेशक श्री बालेन्दु दधीच ने गलत सूचनाओं से निपटने, जांची-परखी सामग्री सुनिश्चित करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में निगरानी प्रदान करके विज्ञान संचार को सर्व सुलभ बनाने की जरूरत पर बल दिया।

एनसीएसटीसी, डीएसटी, दिल्ली के पूर्व प्रमुख एवं सलाहकार डॉ. मनोज कुमार पटैरिया ने परस्पर विरोधी कोविड-19 अनुसंधानों से उत्पन्न भ्रम को उजागर किया और प्रयोगशालाओं से सत्यापित वैज्ञानिक जानकारी को जनता तक पहुंचाने के लिए "संचारक समुदाय" का आ'ान किया। डॉ. पटैरिया ने आम जनता और वैज्ञानिक समुदाय के बीच दोतरफा संचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "धरातल से प्रयोगशालाओं तक और प्रयोगशालाओं से वापस धरातल तक ज्ञान का निरंतर प्रवाह होना चाहिए।"

सीएसआईआर-आईएचबीटी, पालमपुर के निदेशक डॉ. सुदेश कुमार यादव ने कहा कि जीवन के हर पहलू में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने प्रभावी विज्ञान संचार के लिए संचार संबंधी कमियों को दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "सहानुभूति और भावनाओं से युक्त वैज्ञानिक समझ ही विज्ञान की सच्ची भावना है।"

मुख्य अतिथि प्रो. के. जी. सुरेश, निदेशक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली ने दोतरफा संचार के माध्यम से वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों से परे शासन के सभी पहलुओं में विज्ञान संचार को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वच्छता जैसी सार्वजनिक पहलों में वैज्ञानिक लाभों के बारे में पर्याप्त संचार के अभाव की ओर सबका ध्यान खिंचा। पोलियो अभियान से मिली सीख साझा करते हुए प्रो. सुरेश ने स्थानीय प्रभावशाली लोगों और चिकित्सकों की भूमिका पर जोर दिया और कहा कि इन समूहों के साथ प्रभावी जुड़ाव से मिथकों को दूर करने और टीकों की स्वीकार्यता बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक लाभ के लिए ऐसी समावेशी संचार रणनीतियां महत्वपूर्ण हैं।

पूरे दिन विज्ञान के लोकप्रियकरण, मीडिया की उभरती भूमिका, विज्ञान संचार में महिलाओं की भागीदारी और वंचित समुदायों तक पहुंच जैसे विषयों पर विचार-मंथन सत्र चलते रहे। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. चंद्र मोहन नौटियाल, पूर्व सलाहकार, विज्ञान संचार, आईएनएसए, नई दिल्ली; श्री हसन जावेद खान, पूर्व संपादक, साइंस रिपोर्टर और मुख्य वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर; डॉ. सुमन रे, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर; और डॉ. मनीष मोहन गोरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर शामिल थे।

कार्यशाला के सत्रों में मुख्य रूप से विज्ञान संचार में वैज्ञानिकों की भूमिका, सटीक वैज्ञानिक जानकारी के महत्व और सोशल मीडिया, विज्ञान कथा, कविता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे विविध स्वरूपों जोर रहा। कार्यशाला के दूसरे दिन लोकप्रिय विज्ञान लेखन और प्रतिभागियों की प्रस्तुति पर छात्र वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यशाला में नवोन्मेषी विज्ञान संचार, समुदायों के बीच सेतु निर्माण और पूरे भारत में हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाने के माध्यम से एक तर्कसंगत, समावेशी समाज के निर्माण हेतु सीएसआईआर की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इसमें वैज्ञानिक नवाचारों और खोजों में निरंतर सुधार के लिए मजबूत जन भागीदारी और प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने की भी सिफारिश की गई।

नागर विमानन मंत्रालय ने उड़ान की 9वीं वर्षगांठ मनाई

उड़ान योजना के तहत 3.23 लाख उड़ानों के जरिए 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों ने हवाई यात्रा की

93 अप्रयुक्त और अल्प प्रयुक्त हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 649 हवाई मार्ग चालू किये गये

(एजेंसी)।

नागर विमानन मंत्रालय क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) की 9वीं वर्षगांठ मना रहा है। मुख्य समारोह नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता नागर विमानन सचिव ने की। इस अवसर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष, सदस्यगण और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में नागर विमानन सचिव श्री समीर कुमार सिन्हा ने बताया कि उड़ान योजना, जिसे 21 अक्टूबर 2016 को राष्ट्रीय नागर विमानन नीति के अंतर्गत प्रारंभ किया गया था, एक परिवर्तनकारी पहल रही है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ और किफायती बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 27 अप्रैल 2017 को शिमला और दिल्ली के बीच उद्घाटित की गई पहली उड़ान ने क्षेत्रीय विमानन संपर्कता में एक नए युग की शुरूआत की।

इस योजना के अंतर्गत 15 हेलीपोर्ट और 2 जल हवाई अड्डों सहित 93 अप्रयुक्त और अल्प प्रयुक्त हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 649 मार्गों का संचालन शुरू किया गया है, जिससे 3.23 लाख उड़ान उड़ानों के माध्यम से 1.56 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ है। एयरलाइन ऑपरेटरों और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को समर्थन देने के लिए सरकार ने व्यवहार्यता गैप निधि (वीजीएफ) के रूप में 4,300 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है और आरसीएस के तहत हवाई अड्डे के विकास में 4,638 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

हाल ही में की गई एक प्रमुख पहल अगस्त 2024 में सीप्लेन संचालन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करना और सीप्लेन व हेलीकॉप्टरों के लिए विशेष बोली चरण, उड़ान 5.5 का शुभारंभ है। इस चरण के अंतर्गत विभिन्न तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों में 30 जल हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 150 मार्गों के लिए आशय पत्र जारी किए गए हैं।

नागर विमानन सचिव ने विस्तारित उड़ान फ्रेमवर्क के माध्यम से अप्रैल 2027 के बाद भी इस योजना को जारी रखने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसमें पर्वतीय, उत्तर-पूर्वी और आकांक्षी क्षेत्रों के साथ कनेक्टिविटी और लगभग 120 नए गंतव्यों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

'उड़ान' केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का उत्प्रेरक है - भारत की इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि हवाई यात्रा को समावेशी, सतत और हमारी विकास यात्रा का अभिन्न अंग बनाया जाए।

ब्लैक होल और कॉस्मिक जेट मिलकर आकाशगंगाओं को आकार देते हैं

(एजेंसी)।

एक नए अध्ययन से पता चलता है कि ब्लैक होल की गतिविधियाँ अपने आस-पास नए तारों के जन्म को रोकती हैं। यह अध्ययन आकाशगंगाओं के विकास की गहरी समझ प्रदान कर सकता है और यह इस बात का उत्तर भी दे सकता है कि कुछ आकाशगंगाओं में तारा निर्माण की दर बहुत कम क्यों होती है।

आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित अतिविशाल ब्लैक होल गैस के बहिर्वाह को प्रेरित करने के लिए जाने जाते हैं, और खगोलविद लंबे समय से इस बात का अध्ययन करते रहे हैं कि इन बहिवाहों से होने वाली प्रतिक्रिया प्रक्रियाएं इन आकाशगंगाओं के विकास को कैसे निर्धारित कर सकती हैं। हालांकि, एक महत्वपूर्ण पहेली यह रही है कि मेजबान आकाशगंगा के व्यवहार और विकास पर इस गैस बहिर्वाह और केंद्रीय क्षेत्रों से निकलने वाले विकिरण के सापेक्ष प्रभाव को कैसे समझा जाए।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के खगोलविदों के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन ने हमारे ब्रह्मांड को आकार देने वाली इन शक्तिशाली बलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। उनके अध्ययन से पता चलता है कि ब्लैक होल के आसपास से निकलने वाला तीव्र विकिरण और उनके द्वारा उत्सर्जित उच्च गति वाले जेट दोनों मिलकर आकाशगंगाओं के केंद्रों से गैस बाहर निकाल सकते हैं, जिससे उनके केंद्रीय क्षेत्रों में तारा निर्माण रुक सकता है और आकाशगंगाओं का विकास नियंत्रित हो सकता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित प्रकाशीय तरंगदैर्ध्य पर स्लोअन डिजिटल स्काई सर्वे (एसडीएसएस) टेलीस्कोप और रेडियो तरंगदैर्ध्य पर वेरी लार्ज ऐरे (वीएलए) जैसी अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय सुविधाओं से प्राप्त अत्याधुनिक अभिलेखीय डेटा का उपयोग करते हुए शोधकताओं ने सक्रिय आकाशगंगा नाभिक (एजीएन) वाली 500 से अधिक अपेक्षाकृत निकटवर्ती आकाशगंगाओं का अध्ययन किया। एजीएन ऊजार्वान आकाशगंगा केंद्र हैं जो प्रचुर मात्रा में विकिरण और गैस उत्सर्जित करते हैं और जो उनके अतिविशाल ब्लैक होल पर गिरने वाले पदार्थ से संचालित होते

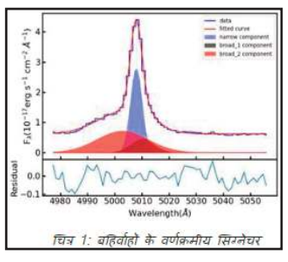

चित्र 1: बहिर्वाहों के वर्णक्रमीय सिग्नेचर

हैं। ये ब्लैक होल हमारे सूर्य से कई लाख गुना अधिक विशाल होते हैं।

आईआईए में पीएच.डी. छात्रा और अध्ययन की प्रमुख लेखिका पायल नंदी बताती हैं, "हमने पाया कि एजीएन में गर्म आयनित गैस का बहिर्वाह व्यापक है और जबकि ब्लैक होल से निकलने वाला विकिरण मुख्य चालक है, रेडियो जेट वाली आकाशगंगाएं काफी तेज और अधिक ऊजार्वान बहिर्वाह दिखाती हैं।"

उनके अध्ययन से यह भी पता चला कि ऐसे बहिर्वाह, जो आकाशगंगा के केंद्रों से बाहर धकेली गई गैस की उच्च गति वाली धाराएं हैं, रेडियो तरंगदैर्ध्य (56 प्रतिशत) में पाई जाने वाली आकाशगंगाओं में रेडियो उत्सर्जन रहित आकाशगंगाओं (25 प्रतिशत) की तुलना में दोगुने से भी अधिक होते हैं। ये शक्तिशाली हवाएं 2,000 किलोमीटर प्रति सेकंड तक की गति से चल सकती हैं, जो स्वयं आकाशगंगा के गुरुत्वाकर्षण बल से बचने के लिए काफी तेज हैं।

आईआईए के एक संकाय सदस्य और अध्ययन के सह-लेखक सी. एस. स्टालिन ने कहा, "यह अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि आकाशगंगा के विकास की पूरी तस्वीर को समझने के लिए बहु-तरंगदैर्ध्य डेटा को संयोजित करना कितना महत्वपूर्ण है।"

शोधकताओं ने इन बहिवाहों की ऊर्जा और अतिविशाल ब्लैक होल द्वारा उत्पन्न कुल चमक/बल के बीच एक मजबूत संबंध पाया। इसके अलावा, जिन आकाशगंगाओं में रेडियो जेट्स हैं - जो ब्लैक होल के आसपास से लगभग प्रकाश की गति से निकलने वाले सापेक्षतावादी कणों की संक्रेंदित किरणें हैं - उनमें यह संबंध और भी मजबूत पाया गया है।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने संसद भवन स्थित राज्यसभा सचिवालय के विभिन्न अनुभागों का दौरा किया

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज संसद भवन स्थित राज्यसभा सचिवालय के विभिन्न अनुभागों का दौरा किया। इस दौरे में टेबल ऑफिस, विधायी अनुभाग, प्रश्न शाखा, सदस्य वेतन एवं भत्ते शाखा, सदस्य सुविधा अनुभाग, विधेयक कार्यालय, सूचना कार्यालय, लॉबी कार्यालय और संवाददाता शाखा जैसे प्रमुख अनुभाग शामिल थे।

इस दौरे में उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति ने सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बातचीत की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राज्यसभा के सुचारू एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका की सराहना की।

श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समर्पण एवं पेशेवर कौशल के साथ योगदान जारी रखने, संसदीय कार्यप्रणाली को

सुदृढ़ बनाने और राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया।